राज कॉमिक्स

मूल्य 8.00 संख्या 762

खोदा बैंक निकले चूहे

फाइटर टोड्स



Vinod Yadav

संजय गुप्ता पेश करते हैं

खेद बैंक निकले चूहे

सम्पादक: मनीष गुप्ता
लेखक: तरुण कुमार वाही
चित्रांकन: दिलीप चौबे
सहयोग: दीपिका, विनीत

टेलीविजन से बोर होकर एक बार फाइटर टोड्स ने बाहर जाकर फिल्म देखने का मूड बनाया। और फिल्म देखी जा सकती थी सिनेमा पर। तो चारों तैयार होकर निकल पड़े सिनेमा पर फिल्म देखने–

मैं तो 'दिलवाले दुल्हनियां ले जायेंगे' देखूंगा।

और मैं 'हम आपके हैं कौन?' उसमें अधूरी दीक्षित है।

पहले सारे मिलकर ये फैसला कर लो कि कौन सी फिल्म देखेंगे।

सावधान

अपने पर हुए जुल्मों का हिसाब लेने आ गई है यहां पर डाकू सुन्दरी...

झूलन देवी

देखिये खतरा सिनेमा में (चार शो)

फैसले को तीर मार मास्टर्र। इधर देख।

??

झूलन देवी

?

© Raja Pocket Books


शूटर! तू जाकर बिस्तर में दुबक जा। यहां डाकू सुन्दरी झूलन देवी आई हुई है। कहीं कबूतर की जगह तू उसकी गोली का शिकार न हो जाए।
शूटर का एक बाण पड़ेगा तो डाकू झूलन के सारे होश गुम हो जायेंगे।
ये मजाक का विषय नहीं है कटर, शूटर सीरीयस बात है। क्यों मास्टर?
हां। हम भी देखते हैं कि लोगों की गोलि भेंग करने डाकू सुन्दरी यहां आकर फिर वापस कैसे जाती है।
मगर यार सिर्फ एक बात समझ में नहीं आ रही कि ये 'चार सौ' क्या है?
तेरे में दिमाग होता तो समझ में आ जाती। चार सौ झूलन देवी के साथी होंगे। ही ही ही।
चारों अन्दर की तरफ चल पड़े -
पर मास्टर। डाकुओं के पास तो बंदूकें होती हैं। डाकू सुन्दरी के पास भी तो होगी।
तू फिक्र मत कर कंप्यूटर। अगर उसके पास बंदूक है तो हमारे पास दिमाग है। हम उसे दिमाग से पकड़ेंगे।
फिर शूटर तो डाकू पकड़ ही नहीं पायेगा। ही ही ही।
हां। जैसे तू पकड़ लेगा। आया बड़ा दिमाग वाला।
झूलन देवी


राजनगर के एक खण्डहर हुए मंदिर में जमता डाकू भैंसेसिंह –
आओ कालिया। क्या खबर लाया है रे?
सरदार! डाकू सुन्दरी फूलन देवी के तीन टिकट मैंने लाया हूं।
लकड़ी की काठी। काठी पे घोड़ा।
घोड़े पे गधा।
...और 'शो' शुरू होने में सिर्फ पन्द्रह मिनट रह गये हैं।
खतरा सिनेमा यहां से ज्यादा दूर नहीं है। पहले मैं दूध पी लूं। अरे ओ सांबा! गोरी दूध की बोतल ला।
लो सरदार।
(गुप्पु) (गुप्पु) दूध और ग्लूकोज के बिस्कुटों से स्मरण-शक्ति बढ़ी रहती है। मुझे आज भी याद है कि मेरा पुलिस इंस्पेक्टर बाप खलोगसिंह मुझे ट्रेनिंग के बाद पुलिस में भर्ती करवाना चाहता था। (गुप्पु) (गुप्पु)
जबकि मैं पुलिस से ज्यादा खतरनाक चीज बनना चाहता था यानी डाकू। डाकू बनने का शौक मुझे बचपन से ही था –
डाकू पनवाड़ी की जीवनी
डाकू रामसिंह
डाकू कथा
मैंने सभी खूंखार व मेरी नजरों में महान डाकुओं के जीवन साहित्य रट्टे लगा कर याद किये।


और उस डाकू साहित्य में मुझे जो बात सबसे ज्यादा कॉमन लगी तो ये थी कि–
...सभी डाकू पहले भयानक अत्याचारों व जुल्म के शिकार हुए थे।
(चिलक)
यानी जब तक मुझ पर जुल्म नहीं होंगे मेरा डाकू बनने का सपना पूरा नहीं होगा।
...उस दिन मैं अपने पिता को लंच का टिफिन देने पुलिस स्टेशन गया तो किसी हवलदार की साइकिल ले उड़ा–
अरे डाकू! मेरी साइकिल ले गया।
POLICE STATION
वाह! इसने मुझे डाकू कह कर मेरी इज्जत कितनी बढ़ा दी।
उस रात को मेरे पिता ने मेरी बेल्टों से खूब पिटाई की। यानी मुझ पर जुल्मों का शुभ आरंभ हो चुका था–
नालायक! बेशर्म! खानदान के नाम पर कलंक। आज मैं तेरी खाल खींच लूंगा।
डालो। और जुल्म डालो। क्योंकि जुल्म की भट्टी में तपकर ही मैं बनूंगा महान डाकू। ही ही ही।
चटाक
पर जब मेरे कारनामों बढ़ते गए तो पिताजी को ही आखिर अपना ट्रांसफर राजनगर से कहीं और कराना पड़ा।
और आज मैं बन चुका हूं पूरा डाकू।
पर अभी भी पुलिस रिकॉर्ड में मैं एक उभरता हुआ डाकू ही हूं। यानी बच्चा हूं।
इसलिये मैं आज भी बोतल से दूध पीता हूं...


... आज हम भूलन देवी के जीवन पर बनी इस महान् फिल्म से ये प्रेरणा लेंगे कि मैं ऐसा डाकू कैसे बनूं जिससे कि मेरे नाम पर भी उच्च कोटि का साहित्य लिखा जाए...
मेरे सिर पर लाखों का इनाम हो।
WANTED
डाकू भैरो सिंह
इनाम
200,000
यानी दो लाख (पैसे)
फिल्म प्रोड्यूसर मेरे इर्द-गिर्द चक्कर लगाएं।
DIRECTOR
HOLLYWOOD
SE
BOLLYWOOD
चारों ओर मेरा नाम हो।
ही ही ही।

नकली डाकू सुन्दरी कुलटन देवी के जुल्म से भोले - भाले लोगों को बचाने का निश्चय कर कमर कस चुके थे फाइटर टोड्स भी—

वो देख मास्टर!

भोले-भाले लोगों की लम्बी लाइन लगी है। और सब उस खिड़की के पीछे बैठे चार आदमियों को रुपये दे रहे हैं।

SEEMA DHOKHA ETC.

CURRENT BOOKING

ये चारों आदमी जरूर उन्हीं चार सौ आदमियों में से होंगे जिनके बारे में बाहर लिखवा था। ये अपना डर दिखा कर शरीफ आदमियों से जबरदस्ती पैसा वसूल कर रहे हैं।

SEEMA DHOKHA

CURRENT BO

और ये देखकर मास्टर का पारा चढ़ गया—

हमने अपराध का खात्मा करने की कसम ली है और ये डाकू हमारे सामने ही डाकूगिरी दिखा रहे हैं। हम हैं फाइटर टोड्स।

...और अब मैं बोलता हूं...

टोड्स एक्शन


कांच की ये दीवारें तुम्हारे जुर्म पर परदा नहीं डाल सकतीं। इन्हें कटर चकनाचूर कर देगा।
CURENT BO
ड... डाकू!
हीऽऽऽशा
डरो नहीं। अब मैं इस डाकू की इतनी पिटाई करूंगा कि ये डाकूगिरी तो दूर, अपना नाम तक भूल जायेगा।
आह! मर गया।
BOOKING
BAL
DC
MID
शूटर का भी बाण तेजी के साथ आगे बढ़ा-
लगता है झूलन देवी के दुश्मन डाकू मेढकों का रूप धरकर आ गए हैं। आह!
शूऽऽऽ
बोल बेटा! जितने पैसे लिये हैं वो सब वापस करेगा या नहीं?
नहीं! ऐसा करके हम अपने मालिक के साथ नमकहरामी नहीं कर सकते। प्राण जाय पर वचन न जाय।
DC
MID
धाड़


मगर हम तेरे प्राण नहीं लेंगे। हम तुझे मार-मार कर तेरा भुर्ता बना देंगे।
धड़ाम
और वह सारा दृश्य देखते हुए डाकू भैरोसिंह की बांछें खिली जा रही थीं, जो कि थोड़ी देर पहले वहां आ पहुंचा था।
अरे ओ सांवा! ये चारों मेढक बड़े सूरमा हैं रे।
सरदार! अगर इन्हें भी अपने दल में शामिल कर लें तो हमारा गैंग बड़ा हो जायेगा। भुतहन के गैंग की तरह।
सांवा ठीक कहता है सरदार।
नहीं। जितना बड़ा गैंग होता है, पकड़े जाने के चांस भी उतने ही बढ़ जाते हैं जबकि मैं भी बड़े डाकुओं की तरह आत्मसमर्पण कर के नेता बनना चाहता हूं
नहीं! मैं कूड़ा नहीं हूं। मुझे कूड़ेदान में मत फेंको यारो!
तो मैं तुझे मार-मार कर पहले कूड़ा बनाऊंगा फिर कूड़ेदान में डालूंगा।
USE

आ गया। मुझे वो आइडिया आ गया और वो भी भूषन देवी के सिर्फ पोस्टर देख कर ही। यानी फिल्म देखे बिना ही। अब मैं एक कुख्यात डाकू बन जाऊंगा। ही ही ही।

अरे ओ सांबा!

जरा आइना तो दे।

लो सरदार! मगर आइने का क्या करना है सरदार?

उसमें देखकर अपना मुंह चूमना है। ही ही ही।

पुच्च

तभी वहां गूंज उठी पुलिस सायरन की आवाज जिसे सुन कर सांबा ने फौरन कार आगे बढ़ा दी—

सांबा! तू कार क्यों भगा रहा है बेवकूफ! पुलिस कोई हमें पकड़ने थोड़ी आ रही है।

म...मैं कोई डर थोड़ी रहा हूं स... सरदार! मैं तो भागने की प्रैक्टिस कर रहा था।

ओह! पुलिस सायरन सुनते ही कुछ-कुछ होने लगता है। बहूहूहू।

बूझ ओ ओ ओ

चीईईई

इधर सायरन की आवाज कंप्यूटर तक भी पहुंच चुकी थी—

टोड्स! पुलिसजी आ रहे हैं। भागो।

मगर कंप्यूटर अभी डाकू सुन्दरी तो हमारे हत्थे ही नहीं लगी।



अब बाकी का काम पुलिसजी खुद देख लेंगे। कटर, शूटर, चलो।


टोड्स के वहाँ से निकलते ही–
जल्दी से कार में आ जाओ हम तुम्हें तुम्हारे अड्डे पर छोड़ देंगे। वरना पुलिस पकड़ लेगी।
अड्डे पर। मगर तुम कौन हो? बिना जान-पहचान के हम तुम्हारे कार वाहन में क्यों आ जाएं?
हमें अपना ही आदमी समझो। ही ही ही।
पर हमारे अपने तो टोड्स होते हैं।
सरदार! ये हमें भी मरवायेंगे।
देखो। पुलिस आ गई तो तुम्हें पकड़ लेगी। जबकि बड़े डाकू आत्मसमर्पण करते हैं।
जल्दी करो। तीन पीछे हो लो स्पेस आओ आ जाओ।
मगर डाकू हम छोड़े ही हैं।
डाकू तो भूतनी देवी है। हम तो उनके साथियों को सिर्फ पीट रहे थे। क्योंकि वो भोले-भाले लोगों से रुपया ऐंठ रहे थे। हम तो भोले-भाले फाइटर टोड्स हैं।
फाइटर टोड्स वाह! बहादुर भी और मूर्ख भी। अब तो मेरा काम पक्का ही हुआ समझो।
हम भी बहुत भोले-भाले हैं। तुम हमारे साथ मिल कर काम करना।
काम? मास्टर! मुद्राओं के लिए हमें कोई काम तो करना ही है इसलिये हम इसकी कार में बैठ जाते हैं।
टोड्स को लेकर कार चली...


और उसी समय वहां पहुंची पुलिस जीप–
डाकू सुन्दरी की फिल्म की टिकट खिड़की पर डाकुओं का हमला तो होना ही था।
सब अपने-अपने डण्डे हाथ में लेकर जीप से कूद पड़ो और...
पीं ओ पी
POLICE
लाठीचार्ज!
पर यहां हीरो तो पहले ही फूटे पड़े हैं। हम क्या फोड़ें?
इधर पुलिस लग गई फूटे पड़ों को हटाने के काम में–
और इधर कोई लगा हुआ था किसी को पटाने के काम में–
सरदार! ठण्डा और वैफर्स ले आया हूं।
ठीक है। उन्हें पिला और खिला होशियार तुम दोनों ध्यान रखना उनके सामने तुम मुझे सरदार मत कहना बल्कि डायरेक्टर साहब ही कहना।
क्यों सरदार? क्या आप डाकू-पद से त्यागपत्र देकर फिल्म लाइन में कूद रहे हैं?
फिर तो मुझसे बढ़िया हीरो तुम्हें नहीं मिल सकता सरदार!
तुझे मैं उस फिल्म में हीरो बनाऊंगा जो कभी रिलीज नहीं होगी। ही ही ही।
पर इस समय मैं जैसा कहता हूं वैसा ही करो।
गैरोसिंह ने उन्हें जल्दी-जल्दी अपनी योजना बताई–


कंप्यूटर्र! इससे धंधे की बात तू ही करियो। क्योंकि तू प्राफिट का हिसाब कंप्यूटर्र पर ठीक से लगा सकता है।
पेप्सी पिलाने से और वैपर्स खिलाने से पार्टी मुकरती नहीं। पियो - पियो। ही ही ही।
तुम जबरदस्ती पिला रहे हो तो पी लेते हैं।
प्यास तो मुझे भी लग रही थी।
करेय
कटर्र! खाते वक्त मुंह से आवाज मत कर।
अब तुम मुझे बताओ कि तुम क्या काम करते हो?
हम टोड्स... हम तो मानवता की भलाई के लिये काम करते हैं।
और आज भी हम यहां डाकू सुन्दरी को पकड़ने आये थे जो अपने चार सौ आदमियों के साथ मिलकर भोले-भाले लोगों से रुपये सैंठ रही थी।...


पर अफसोस कि झूलन देवी हमारे हत्थे नहीं चढ़ी। उससे पहले ही पुलिस आ गई।
कंप्यूटर्स! धंधे की बात कर।
खाली बोतलें तो वापस करो वरना दुकान वाला भैया बोतलों के जमा पैसे वापस नहीं देगा।...
...और हमारे डायरेक्टर साहब को फिल्म बनाने से पहले ही बीस रुपये का घाटा हो जायेगा।
फिल्म?
तो क्या तुम फिल्म बनाते हो। जिसमें अच्छे-अच्छे डायलॉग्स होते हैं जिन्हें फिर मैं सपने में बोलता हूं।
और असली में पिटता हूं
हां। और अच्छी-अच्छी हीरोइनें होती हैं। जैसे मिशरी देवी, गेहूं चावला, अधूरी दीक्षित।
दरअसल हमारे सरदार...मेरा मतलब डायरेक्टर साहब को चार ऐसे हीरो की जरूरत है। और हम उन्हीं की तलाश करते फिर रहे हैं।
ऐसे?


ऐसे तो हम हैं। तुम्हारा काम बन गया।
क्या सच? अरे हाँ, तुम तो ऐसे ही हो? क्या तुम हमारी फिल्म में काम करोगे? हम तुम्हें बहुत सारे पैसे भी देंगे।
हम आपस में सलाह करके बताते हैं।
बोल मास्टर! तू क्या कहता है?
कंप्यूटर! ये फिल्म-विल्म का चक्कर छोड़ो और गटर चलो। क्योंकि स्विटंग आसान काम नहीं है।
मास्टर! तू भूल गया कि गटर में नया सोफा लाने के लिये शूटर ने और मैंने कितनी बढ़िया स्विटंग की थी।
मास्टर! वो हमें फिल्म में काम करने के पैसे भी दे रहा है।
हमारा सोफा मुद्राओं की कमी के कारण आज तलक भी टूटा हुआ है।
मास्टर! फिल्मों में लड़ाई भी बहुत होती है। फिल्म में काम करने में कोई बुराई नहीं दिखती।
फिर नई-नई हीरोइनें भी तो साथ होंगी। ही ही ही।
मास्टर! कर लेते हैं। आखिर यहाँ रह कर हमें कोई न कोई काम तो करना ही पड़ेगा! फिर फिल्म में ही कर लेते हैं। मैं कंप्यूटर पर स्पेशल इफैक्ट दे दूंगा।
तो फिर ठीक है मैं स्टंट रोल करूंगा।
बन गया सरदार का काम ही ही ही।
फिर डाकू भैरोसिंह ने उन्हें काम व डायलाग्ज बताकर अगले दिन काम वाली जगह पर ही पहुंच जाने का पता भी उन्हें दे दिया।


और ये था टोइस के लिए शूटिंग का पहला दिन-
देखना। तुम्हारी शूटिंग देखने के लिये कितने सारे लोग आए हैं। जरा बढ़िया सा शॉट देना। क्योंकि फिल्म के पहले सीन में तुम्हें डालनी है स्वप बैंक में डकैती और लूटनी है बैंक की तिजोरी। ही ही ही।
कहानी के मुताबिक जब डाकू, डाकू, पकड़ो बैंक लुट गया का शोर मचेगा तब तुम्हारा हृदय परिवर्तन होगा और तुम बन जाओगे जुर्म से लड़ने के लिये फाइटर टोइस। ही ही ही।
अब मेरे स्वप्नान बोलते ही तुम बैंक में प्रवेश करोगे।
बैंक
...स्वप...
ठहरो। स्वप्नान तो कंप्यूटर ही बोलेगा। कंप्यूटर बोल।
टोइस स्वप्नान।
उधर बैंक में-
धींगड़ा साहब! वो पुराना वाल्ट कबाड़ी के आदमियों को देने के लिये बाहर निकलवा दिया है न। कबाड़ी के आदमी आते ही होंगे उसे उठाने।
जी हां मैनेजर साहब! वो रहा पुराना वाल्ट।
CASH
LA BANK


पर ये कबाड़ी के आदमी अभी तक आस क्यों नहीं?
लीजिये सर! वो आ गए।
आजकल कबाड़ी भी नये-नये फैशन के कपड़े पहनने लगे हैं।
मास्टर्र! तिजोरी सामने ही पड़ी है।
बड़ी देर कर दी तुमने। तुम्हें तो बैंक खुलते ही आना था। खैर! अब जल्दी से इस तिजोरी को ले जाओ।
फिल्मों में काम करना कितना आसान है न शूटर!
हां। मुश्किल तो यह भारी तिजोरी उठाना है। हम्फ।
और इस सफलता से डाकू भैरोसिंह की बांछें खिल गईं-
सरदार! वो चारों बैंक की तिजोरी ले आये।
ही ही ही। अब इस इलैक्ट्री की पोल खुलेगी तो मेरा नाम चारों तरफ फैल जायेगा।
मेरा दिमाग देखकर पूरे शहर में खलबली मच जायेगी।
पर यार, पीछे पुलिस क्यों नहीं आ रही?
तुझे नहीं पता शूटर! फिल्मों की पुलिस देर से आती है।
हमारा काम कैसा लगा डायरेक्टर जी?
वाह! तुमने तो बहुत बढ़िया शॉट दिया।
अब तुम्हें स्टार बनने से कोई नहीं रोक सकता।
तुम्हारा काम हो गया। अब तुम हमें पैसे दो और गटर तक छोड़ दो। टोइस अपने कपड़े उठा लो।


इधर उसी बैंक के अन्दर–
क्या? मगर कबाड़ी के आदमी तो पुरानी तिजोरी को लेजा भी चुके हैं।
मगर कबाड़ी के आदमी तो हम हैं।
सर, मैं बड़ी देर से सोच रहा था कि उन चारों ने अपने चेहरे क्यों छिपा रखे थे। अब मुझे याद आ रहा है कि ऐसे हुलिये वाले तो डाकू होते हैं।
क्या? डाकू? मैं खतरे का अलार्म बजाता हूं। बैंक में डाका पड़ गया है और हमें खबर तक नहीं।
और मैं 'डकैती पड़ गई। डकैती पड़ गई' चीखता हुआ बाहर भागता हूं।
कबाड़ी का सौ रुपये का नुकसान हो गया।


जबकि उसी समय बाहर–
सांबा! कालिया! खतरे का अलार्म! लगता है बैंक वालों को डकैती का पता चल गया है।
सरदार! फिर तो फौरन भाग लो।
मैं टैम्पो दौड़ाता हूं।


मगर इन मेंढकों का क्या करें? ये भी तो टैम्पो पर चढ़े हुए हैं।
इन्हें टैम्पो से नीचे धक्का दे दो।
अगले ही पल चारों टोड्स के जिस्म हवा में लहराये और धम्म से सड़क पर जा गिरे—
नकली कैमरे से बनी फिल्म देखने हिमालय पर्वत पर जरूर आना। ही ही ही।
मैं किसी फिल्म का डायरेक्टर नहीं हूं बल्कि डाकू भैरोसिंह हूं। और ये फिल्म की शूटिंग नहीं बल्कि असली डकैती थी। ही ही ही।
धड़क
इधर बैंक से चीखते हुए बाहर निकले बैंक क्लर्क की निगाहें भी पड़ चुकी थीं टोड्स पर, और—
वो रहे डाकू। मैं चिल्लाता हूं। तुम पकड़ो, जाने न पाएं।
बड़े बेकार डाकू हैं। बैंक लूट कर भाग ही नहीं रहे। जब तक ये नहीं भागेंगे हम इनके पीछे कैसे भागें।
मास्टर्र। ये तो नकली कैमरा है।
इसका मतलब हम फिल्म में वाकई काम नहीं कर रहे थे।


इन सब बातों का एक ही मतलब हो सकता है और वो ये कि डाकुओं ने हमें धोखा देकर हमारे हाथों बैंक लूटने का अपराध करवा दिया है।
अवश्य!
मास्टर। वो डाकू तो निकले जा रहे हैं। उन्हें कैसे रोकें?
अरे। हमारा टैक्सी वाला यार रसीला।
रसीले यार। तू बड़े कान के वक्त ही आता है।
म...मगर तुम लोग ऐसे क्यों भाग रहे हो? और उस बैंक में खतरे का अलार्म भी बज रहा है। कहीं तुमने बैंक तो नहीं लूटा।
डाकू सरदार और लूट का माल उस टैम्पो में है रसीले और तुझे उस टैम्पो का पीछा करना है ताकि हम उन्हें पकड़कर कानून को सौंप सकें।
ये बात है तब तो फिर मैं तुम्हें अभी टैम्पो तक पहुंचा देता हूं।
उधर इंस्पेक्टर विचित्रसिंह की जीप वहां पहुंच कर रुकी—
कहां हैं डाकू?
अन्दर बैठे चाय पी रहे हैं। मेरा मतलब इंस्पेक्टर साहब!
उन्हें भगाने के लिये ही तो मैंने खतरे का अलार्म बजाया था।...


...क्योंकि अगर मैं ऐसा न करता तो पोल खुलते ही वो वापस बैंक में आ कर असली डकैती कर जाते। ही ही ही।
क्या मतलब?
शीतला बैंक
डाकू जिसे बैंक का वाल्ट समझकर ले गये हैं वो दरअसल एक पुरानी तिजोरी थी जिसका ताला कुतर कर कई बार चूहे लाखों के नोट भी कुतर चुके थे (अब मैं ये थोड़े ही कहूंगा कि मैंने गबन कर लिये थे) आज उस तिजोरी को हमने कबाड़ी को बेचना था। और हमने बैंक के सारे चूहे उसमें भर दिये हैं। ही ही ही।
लेकिन बैंक लूटने की कोशिश करना भी तो भयंकर अपराध है।
मैं उन डाकुओं को पकड़ कर रहूंगा, भाड़े ही वो मेरे हाथ न आयें। ही ही ही।
ड्राइवर! जीप को उधर दौड़ाओ जिधर डाकू गये हैं।
यह पुलिस की जीप है साब! उधर ही चलती है जिधर अपराध हो चुका होता है।
पुलिस डाकुओं के पीछे पड़ने वाली थी।
जबकि इधर डाकुओं को अपने पीछा किये जाने का पता लग गया था—
सरदार! वो मेडक टैक्सी में हमारा पीछा कर रहे हैं।
उफ़! टैम्पो में पैट्रोल भी अभी खत्म होना था।
पैट्रोल का इंतजाम तो मेरे पास है सरदार। तुम टोड्स का इंतजाम सोचो।
इंतजाम सोच लिया। क्योंकि मैं ऐसे ही तुम्हारा सरदार थोड़े हूं।
गुलुप-गुलुप
पेट्रोल


जल्दी करो। उखाड़ो ये कटीली तारें...
पर सरदार ऐसी टुच्ची चीज की डकैती हम जैसे डाकुओं को शोभा नहीं देती।
तू जिन्दगी भर कालिया ही रहियो। बुद्धि से भी और रंग से भी।
अब देख मेरे दिमाग का कमाल। हम इस सारी तार को लपेट कर सड़क पर डाल देंगे।
तेजी से चली आ रही थी रसीले की टैक्सी
वो रहा टैम्पो। और तेज चला रसीले।
ओह। लगता है उनके टैम्पो में पैट्रोल खत्म हो गया है।
वो क्या होता है रसीले यार?
पैट्रोल मतलब ईंधन।
लेकिन इससे पहले कि रसीला टैक्सी के ब्रेक लगा पाता, टैम्पो और टैक्सी के बीच में आ गया वो कंटीला व्यवधान –
रसीले बच।
टैक्सी खाई में गिर गई तो हम फिर मर जायेंगे रसीले। ☆
☆ इसके बारे में जानने के लिये पढ़ें 'ऐपस्टार'


फिलहाल तो मेरी टैक्सी मर गई है। बहूहूहू।
इधर सांबा ने आगे बढ़ा दिया टैम्पो –
सांबा! ये तू टैम्पो कैसे चला रहा है?
मैं क्या करूं सरदार। ये टैम्पो में भरे एमरजैंसी ईंधन का कमाल है। लगता है इसे चढ़ गई है।
वो हमारे हाथ से निकल रहे हैं मास्टर।
पर अब वो मेरे निशाने की हद में हैं। अब तुम देखो मेरा कमाल।
अरे! ये तीर फेंक कर रास्ता किसने ब्लॉक कर दिया?
जवाब उसे जल्दी ही मिलने जा रहा था-


और जवाब मिल गया –
मैंने!
धम्म
दुश्मन तीर बरसा रहा है, सरदार!
हमारे पास बरसाने के लिये तुक्का भी नहीं है। ओफ्फ! शूटिंग के चक्कर में हम बंदूकें भी तो नहीं लेकर आए। लानत है तुम्हारे डाकू होने पर।
मगर किसी तरह अपने होश काबू रखने में कामयाब हो गया था सांबा और –
शाबाश सांबा! तूने मेरी लाज रख ली। क्योंकि महान डाकुओं की तरह मैं भी कभी पकड़ा नहीं जाऊंगा बल्कि आत्मसमर्पण करूंगा
इधर रोबुस ने जब टैम्पो को दोबारा भागते हुए देखा तो –
यार रसीले! तू हमारा यहीं इंतजार करियो।
वो तो मुझे करना ही पड़ेगा। अपनी टैक्सी को भी तो साथ लेकर जाना है। बहूहूहू।
इधर मंदिर के खण्डहर वाले अड्डे में –
आखिर हम उन मेढकों से पीछा छुड़ा कर अपने अड्डे तक पहुंच ही गये।
सरदार! मेरे विचार में हमें तिजोरी जल्दी से खाली कर देनी चाहिये क्योंकि मैंने उस मेढक का तीर खाकर भी अपने होश इसी उम्मीद में दुरुस्त रखे हुए हैं कि नोट मिलेंगे।
मगर तू धीरे बोल सांबा! कहीं ऐसा न हो कि हमारी आवाज उन मेढकों तक पहुंच जाये और वे यहां भी आ धमकें।


कालिया ठीक कह रहा है साबा! कोई चूं भी नहीं करेगा। अब तुम देखो कि मैं तिजोरी को कैसे एक झटके में तोड़ता हूं।
वाह! ताला टूट गया।
और ताला टूटने की आवाज भी नहीं हुई।
धांय
गोली चलने की आवाज इधर से आई है टोड्स।
कंप्यूटर! तू टोड्स स्क्रीन खोलने के लिये तैयार रहियो।
इधर तिजोरी खुलते ही-
अरे ये क्या? ये चूहों की सेना इतने में कहां से आ गई?
हरे-हरे नोट चूहों में बदल गये। हहहहह।
म...मेरे कंधे में बुरी तरह दर्द हो गया इस तिजोरी को खोलने में और तिजोरी में से निकल रहे हैं चूहे यानी रखोदा बैंक लिकले चूहे।
चूहा मेरी पैंट में घुस गया है सरदार!
मुझसे बच कर कहां जायेगा?
मेरा निशाना खाली नहीं गया कालिया! तो देखो मेरा चूहा तेरी पैंट के पायचे से बाहर गिर रहा है। ही ही ही।
धांय
आह ऽऽऽऽ! तुमने मेरी टांग पर गोली चला दी सरदार! ये सिला दिया तुमने मेरी वफादारी का।


कसम से। मैंने चूहे पर गोली चलाई थी कालिया! आ, मैं तुझे अस्पताल ले चलता हूं। बहूहूहू।
पर अस्पताल कैसे जायेंगे। अगर बाहर वो मेढक मिल गए तो।
सरदार! यहां से तो बाहर भागो।
लेकिन अब वहां से बच निकलना आसान नहीं था–
टोड्स एक्शन
फिल्म में काम देने के नाम पर तू शूटर्र के अरमानों से खेला धोखेबाज।
म...मेरी मूंछें वापस कर दो। ये मैंने नकली लगा रखी थीं क्योंकि डाकू होने के लिये घनी मूंछों का होना जरूरी होता है और मेरी मूंछें उगी ही नहीं थीं। मैं सफाचट हूं! बहूहूहू।
फिल्म में तो मैं लड़ नहीं पाया मगर अब मुझे इसके बाल उखाड़ने दे शूटर्र! फिर ये सिर से चेहरे तक सफाचट हो जायेगा। ही ही ही।
इधर मास्टर्र ने सांबा को बो किक जड़ी कि–
स्टंट सीन न सही एक्शन सीन ही सही।
ओह! ओह! भरी हुई स्टेनगन।
LOADED


सांबा के हाथ अब लग चुकी थी स्टेनगन–
ही ही ही। हा हा हा। सरदार! कालिया! दुबक जाओ। मैं इन्हें गोलियों से छलनी बना दूंगा।
टोड्स! इन बोरियों के पीछे शरण लो।
इधर ड्रम की तरफ मत चलाइयो
मगर जल्दी ही–
बाहर आ जाओ सरदार! मेरी गोलियां भी खत्म हो गईं और वो चारों मेंढक भी। ही ही ही।
अरे ओ सांबा! तूने तो कमाल कर दिया। जा अब मेरे लिये दूध लेकर आ।
सरदार! आधा ड्रम मेरी टांग के घाव से निकले खून से भर गया है। मैं बेहोश हो रहा हूं।
ठहर जा कालिया! अभी बेहोश नहीं होना। पहले मुझे इन मेंढकों की लाशें देख लेने दे।
और टोड्स–
देख लीं हमारी लाशें?
हां, अब कल को अखबार में खबर छपने के बाद बड़े-बड़े साहित्यकार, फिल्मकार मेरी कहानी के प्लाट बनाने में लग जायेंगे। ही ही ही।
पर कालिया तो कब का बेहोश हो भी चुका था
तो अब हम खड़े हो जायें? ही ही ही।
हो जाओ। हो जाओ। पर तुम मुझ पर बनी फिल्म जरूर देखना। जो मैं उसी सिनेमा पर चारों शो में लगवाऊंगा जहां आज खूबसूरत देवी की फिल्म लगी है।


ओह! तो वहाँ पर डाकू सुन्दरी भूतन देवी की फिल्म लगी थी?
और हम समझे कि वहाँ पर डाकू आस हुस्न हैं। थैंक।
यार! ये तो गड़बड़ हो गई। शरीफ आदमी हमारे हाथों पिट गए।
यार! तुमने पहले क्यों नहीं बताया?
पहले बता देता तो फिर तुम बैंक से तिजोरी लेकर न आते। ही ही ही।
मगर कम्बख्त तिजोरी में से नोटों की बजाए चूहे निकले।
पर मैंने भी तुम्हें मार कर बदला ले ही लिया। ही ही ही।
अरे! मगर तुम तो मर चुके हो। फिर तुम बोल क्यों रहे हो? तुम बोलो मत वरना मैं डर जाऊंगा।
स...स...सरदार! य...य...ये तो जिन्दा हैं।
त...त...तुम्हारे पास गोली होगी सरदार?
गोली तो नहीं है, ये गुलेल है जिससे बचपन में मैं पड़ोसियों के शीशे फोड़ा करता था।


और तभी–
अब न गोली चलेगी, न बुलेट्स। पकड़ लो इन डाकुओं को।
पुलिस!
मास्टर्स! पुलिस जी।
और फिर–
सलाम साहब!
ओह! सलाम सलाम! कोई मुझे सलाम करता है तो मैं सचमुच अंधा हो जाता हूं। ही ही ही।
ले चलो इन्हें थाने। ही ही हो।
और इधर तोड़ूसिंह अब डाकू सुलतान देवी की फिल्म देखने के लिये पहुंच चुके थे रतनगढ़ सिनेमा पर–
सुलतान देवी
रतनगढ़ सिनेमा में
(चालू शो)
TO BE HOUSE FULL
CURENT BOOKING
अब समझ में आया कि वो लाइन टिकट के लिये लगी हुई थी।
चलो। देर आये दुरुस्त आये। ही ही ही।
समाप्त

Vinod Yadav